गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 059
दि. 28.06.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी को 10 हजार करोड़ की सौगात देंगे पीएम मोदी! एक्सप्रेसवे से लेकर रेलवे ट्रैक समेत 5 योजनाओं का मिलेगा तोहफा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर कानपुर को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिल सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सात जुलाई को कानपुर के निराला नगर रेलवे मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करने आ सकते हैं। हालांकि उनके इस दौरे की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है, लेकिन पुलिस-प्रशासनिक अमले और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संगठन ने संभावित कार्यक्रम को लेकर अपनी तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू कर दी हैं।

माना जा रहा है कि इस ऐतिहासिक जनसभा के मंच से प्रधानमंत्री कानपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

भव्य पंडाल और सुरक्षा के कड़े इंतजाम; बनेंगे 5 हेलीपैड

रैली में करीब एक लाख से अधिक लोगों की भारी भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और पार्किंग की रूपरेखा तैयार की जा रही है। मुख्य सभा स्थल पर जर्मन हैंगर तकनीक से एक भव्य और विशाल वाटरप्रूफ पंडाल का निर्माण कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा और वीवीआईपी मूवमेंट को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में पांच हेलीपैड बनाने की योजना है। एडीएम सिटी आलोक कुमार गुप्ता और लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के इंजीनियरों ने निराला नगर मैदान का बारीकी से निरीक्षण कर कार्ययोजना को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही, रेलवे प्रशासन को भी निर्देशित किया गया है कि सात जुलाई तक इस मैदान को किसी अन्य आयोजन के लिए आवंटित न किया जाए।

इन बड़ी परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

इस संभावित दौरे के दौरान कानपुर और बुंदेलखंड क्षेत्र को कई बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों का उपहार मिलेगा। प्रधानमंत्री जिन प्रमुख परियोजनाओं की शुरूआत कर सकते हैं, उनमें शामिल हैं:

कानपुर-लखनऊ नया एक्सप्रेसवेः लगभग 4,700 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस मार्ग का शुभारंभ होगा।

अनवरगंज-मंधना रेलवे ट्रैकः 1,115 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस ट्रैक की आधारशिला रखी जाएगी।

ट्रांसगंगा सिटी पुलः 753 करोड़

रुपये की इस परियोजना का शिलान्यास होगा, जिसके लिए सेतु निगम की लखनऊ टीम पहले ही सर्वे कर चुकी है।

नौबस्ता मेट्रो रूटः शहर की लाइफलाइन बन रही मेट्रो के इस नए रूट का उद्घाटन किया जाएगा।

सरैया क्रॉसिंग ओवरब्रिजः करीब 150 करोड़ रुपये की लागत वाले इस ओवरब्रिज की सौगात भी शहरवासियों को मिलेगी।

दिग्गजों का लगेगा जमावड़ा, 13 जिलों से जुटेंगे कार्यकर्ता

इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच पर कई बड़े चेहरे नजर आ सकते हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के भी इस आयोजन में शामिल होने की प्रबल संभावना है।

यह भी पढ़ें- शिक्षक से शुरू हुआ सफर फिर राम मंदिर आंदोलन के रणनीतिकारों में होने लगी गिनती और अब दिया इस्तीफा, जानें कौन हैं चंपत राय?

दूसरी ओर, भाजपा संगठन ने इस रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 13 जनपदों से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जुटाने की रणनीति बनाई गई है। बूथ स्तर पर कमेटियों को सक्रिय कर दिया गया है और आम जनता को जनसभा तक लाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया जा चुका है।

ट्रंप का भारत दौराः भारत-यूएस संबंध कैसे, पीएम मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति के रिश्ते का कितना असर; राजदूत क्या बोले?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, भारत में अपने कार्यकाल के छह महीने पूरे होने पर, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस को इंटरव्यू दिया। व्हाइट हाउस में हुए बातचीत में, गोर ने भारत में अपने अब तक के अनुभव, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हो रही प्रगति, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, ल्-1इ वीजा, लोगों के बीच संबंधों और रणनीतिक साझेदारी की अपार संभावनाओं के बारे में बात की...

भारत में छह महीने का कार्यकाल पूरा करने के बाद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने एक प्रमुख न्यूज एजेंसी से बातचीत में भारत-अमेरिका संबंधों, प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की केमिस्ट्री, ल्-1इ वीजा, रक्षा और ऊर्जा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से अधिक मजबूत हैं और व्यापार समझौता जल्द अंतिम रूप ले सकता है।

सवालः भारत में छह महीने पूरे होने के बाद आपका अनुभव कैसा रहा?

सर्जियो गोरः भारत में बिताए गए ये छह महीने मेरे लिए बेहद यादगार रहे हैं। इस दौरान मुझे देश के अलग-अलग हिस्सों में जाने और लोगों से मिलने का अवसर मिला। भारत की विविधता, संस्कृति और विकास की संभावनाओं ने मुझे काफी प्रभावित किया है। मेरा मानना है कि फार्मास्युटिकल, आईटी, रक्षा, ऊर्जा और कई अन्य क्षेत्रों में भारत और अमेरिका मिलकर बड़े स्तर पर काम कर सकते हैं।

सवालः भारत-अमेरिका संबंधों को आप किस नजरिए से देखते हैं?

गोरः दोनों देशों के रिश्ते बेहद मजबूत हैं और इसकी सबसे बड़ी वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मजबूत व्यक्तिगत संबंध हैं। दोनों नेता नियमित रूप से संवाद करते हैं और साझा हितों वाले मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास है कि यह साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों तक पहुंचे।

सवालः द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर क्या प्रगति हुई है?

गोरः व्यापार समझौते पर अधिकांश काम पूरा हो चुका है। अब केवल अंतिम शब्दावली और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा चल रही है। हाल ही में अमेरिकी और भारतीय अधिकारियों के बीच हुई बैठकें काफी सकारात्मक रहीं। हमें उम्मीद है कि आने वाले कुछ हफ्तों या महीनों में यह समझौता अंतिम रूप ले लेगा। यह दोनों देशों के लिए लाभदायक साबित होगा।

सवालः राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा को लेकर क्या कोई योजना है?

गोरः राष्ट्रपति ट्रंप भारत आने के इच्छुक हैं और प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें निमंत्रण भी दिया है। फिलहाल कोई तारीख तय नहीं हुई है, क्योंकि अमेरिका में चुनावी कार्यक्रमों के चलते उनका शेड्यूल व्यस्त है। लेकिन भारत उनकी प्राथमिकता वाले देशों में शामिल है।

सवालः प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व शैली के बारे में आपकी क्या राय है?

गोरः प्रधानमंत्री मोदी बेहद ऊर्जावान, सक्रिय और परिणामों पर केंद्रित नेता हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं। दोनों नेता फैसलों को तेजी से लागू करने और ठोस नतीजे देने में विश्वास रखते हैं। यही सोच दोनों देशों के रिश्तों को भी मजबूत बनाती है।

सवालः लोगों के बीच संबंध, ल्-1इ वीजा और इमिग्रेशन को लेकर उठ रही चिंताओं पर आपका क्या कहना है?

गोरः अमेरिका की नई इमिग्रेशन नीतियां किसी एक देश को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई हैं। हमारा उद्देश्य पूरी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाना है। भारत अमेरिका का अहम साझेदार है और दोनों देशों के बीच शिक्षा, व्यापार और लोगों का आवागमन आगे भी जारी रहेगा। हमारा दूतावास दुनिया के सबसे व्यस्त वीजा मिशनों में से एक है और यह सहयोग भविष्य में भी मजबूत रहेगा।

सवालः ऊर्जा, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को लेकर आपका विजन क्या है?

गोरः अमेरिका से भारत को ऊर्जा आपूर्ति लगातार बढ़ रही है, जिससे भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने में मदद मिलेगी। वहीं अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी अमेरिकी कंपनियां भारत में बड़े निवेश कर रही हैं, जबकि कई भारतीय कंपनियां अमेरिका में अपने कारोबार का विस्तार कर रही हैं। रक्षा, तकनीक, डेटा सेंटर और निवेश जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

सवालः आखिर में आपका संदेश?

गोरः भारत में मेरा पहला छह महीने का कार्यकाल बेहद सफल रहा है। हमारा लक्ष्य व्यापार, रक्षा, निवेश और रणनीतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में ठोस परिणाम हासिल करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में भारत-अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत होंगे और दोनों देश मिलकर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।भारत में अपने कार्यकाल के छह महीने पूरे होने पर, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को कहा कि भारत-अमेरिका संबंध मजबूत हैं और इनकी नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच करीबी रिश्ते हैं।

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर हमला, बोले- भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा नमूना लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे

लखनऊ। सुभासपा अध्यक्ष व मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के हवाले से सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला बोला है। 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि अखिलेश यादव की सरकार में भ्रष्टाचार के कुछ नमूने देखना है तो सबसे बड़ा उदाहरण आगरा एक्सप्रेसवे है। भ्रष्टाचार की हवस ने इस एक्सप्रेसवे को इतना घुमाया और ऊपर-नीचे किया कि यह हादसा एक्सप्रेसवे के रूप में कुख्यात है, लोग इसे मौत का एक्सप्रेसवे भी कहते हैं। पोस्ट में राजभर ने लिखा है कि कौन नहीं जानता कि अखिलेश के राज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निर्माण में सैफई परिवार और खासमखास लोगों ने मिलकर जनता के पैसों की बंदरबांट की है।

'सिर्फ इस्तीफे से काम नहीं चलेगा', राम मंदिर दान विवाद पर चंपत राय के इस्तीफे के बाद भड़के केजरीवाल

(जीएनएस)।

अयोध्या के श्री राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े विवाद के बीच अब राजनीति भी तेज हो गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे की जानकारी सामने आने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस पूरे मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि केवल इस्तीफा देने से मामला खत्म नहीं हो सकता। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच कराने, कथित जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई करने और मामले से जुड़े हर पहलू को सामने लाने की मांग उठाई। केजरीवाल ने जांच की प्रक्रिया और अब तक हुई कार्रवाई पर भी कई सवाल खड़े किए हैं।

इस्तीफे पर उठाए सवाल

अरविंद केजरीवाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि चंपत

राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की आड़ में उन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लिखा कि केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है और यदि किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

बड़े लोगों पर भी कार्रवाई की मांग

केजरीवाल ने अपने पोस्ट में यह भी सवाल उठाया कि चंपत राय के पीछे जिन लोगों का समर्थन था, उनके खिलाफ कार्रवाई कब होगी। उनका दावा है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो तो केवल कुछ लोगों तक कार्रवाई सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हर जिम्मेदार व्यक्ति की भूमिका की जांच होनी चाहिए।

पुलिस जांच को लेकर भी लगाए आरोप

आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह भी कहा कि जिन लोगों को हाल में गिरफ्तार किया गया, उनकी पुलिस रिमांड नहीं ली गई।

ट्रंप ने तेहरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों को बनाया निशाना

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुआ सीजफायर ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया। दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार, 26 जून को देर रात ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए।

इसके जवाब में ईरान ने भी मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान द्वारा एक कारोबारी जहाज पर किए गए ड्रोन हमले के जवाब में की गई है।

अमेरिका-ईरान में टूटा सीजफायर

इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और वैश्विक व्यापार पर भी इसका असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिका ने क्यों किए ईरान पर हवाई हमले?

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इस पूरी कार्रवाई की वजह बताई है। दरअसल, 25 जून को सिंगापुर के झंडे वाला एक कमर्शियल (व्यापारी) मालवाहक जहाज, जिसका नाम 'ट/श एवर लवली' है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ओमान तट के पास से गुजर रहा था।

अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने इस शांतिपूर्ण व्यापारिक जहाज पर अचानक चार आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया। हालांकि, अमेरिकी वायुसेना ने मुस्तैदी दिखाते हुए 3 ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया, लेकिन एक ड्रोन जहाज के ऊपरी डेक (छत) पर जा गिरा, जिससे जहाज को काफी नुकसान पहुंचा।

CENTCOM ने अपने बयान में साफ कहा-"ईरानी सेना द्वारा व्यापारिक जहाजों पर किया गया यह बिना उकसावे वाला हमला सीधे तौर पर दोनों देशों के बीच हुए सीजफायर (युद्धविराम समझौते) का खुला उल्लंघन है। ईरान की इस खतरनाक हरकत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कॉरिडोर की सुरक्षा को खतरे में डाला है, जिसका जवाब देना बेहद जरूरी था।"

6568 करोड़ की 1284 परियोजनाएं चिह्नित, यीएम योगी ने नोएडा में की बैठक; लोगों के घर-घर तक पहुंचेगा विकास

(जीएनएस)।

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के दौरे के दौरान शनिवार को मेरठ मंडल के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विभाग के अधिकारियों संग नोएडा प्राधिकरण के नए मुख्य प्रशासनिक भवन के बोर्ड रूम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक की।

मेरठ मंडल में 6568.36 करोड़ रुपये की कुल 1284 विकास परियोजनाएं चिह्नित की जा चुकी हैं। धार्मिक स्थलों और धर्मार्थ कार्यों से जुड़े प्रस्तावों को श्रद्धालुओं की संख्या और स्थान को ध्यान में रखकर तैयार करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्य जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हों। स्थानीय आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए।

विकास कार्यों में समुचित स्थान मिलेगा

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को जनप्रतिनिधियों की

प्राथमिकताओं से जोड़कर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र को विकास कार्यों में समुचित स्थान मिलेगा। कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित नहीं रहेगा। संतुलित क्षेत्रीय विकास अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को गौतमबुद्धनगर में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। भविष्य की कार्ययोजनाएं जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों पर तैयार की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सांसद और विधायक अपने लोकसभा व विधानसभा क्षेत्र की वास्तविक विकास आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्तावों का प्राथमिकता क्रम तय करें। ऐसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए जहां पहले विकास कार्य कम हुए हैं।

इससे संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित होगा और विकास का लाभ नए-नए क्षेत्रों तक पहुंचेगा। यदि किसी स्वीकृत परियोजना का कोई शेष कार्य बचा है तो उसे भी तुरंत कार्ययोजना में शामिल कर जल्दी पूरा कराया जाएगा।

अफगानिस्तान में आया भूकंप, दिल्ली-एनसीआर तक डोली धरती, भारत के किन इलाकों में महसूस हुए झटके?

(जीएनएस)।

शनिवार, 27 जून की शाम अचानक आए भूकंप के तेज झटकों ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में लोगों को डरा दिया। कुछ ही सेकंड तक धरती हिलने का एहसास हुआ, लेकिन इतने समय में ही लोग घरों, दफ्तरों और दुकानों से बाहर निकल आए। कई इलाकों में लोग खुली जगहों पर इकट्ठा हो गए और एक-दूसरे से भूकंप की जानकारी लेने लगे।

झटके महसूस होने के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। शुरूआती जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश इलाके में था, जिसकी वजह से भारत के कई शहरों में कंपन महसूस हुआ। राहत की बात यह रही कि देर शाम तक किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई थी। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

अफगानिस्तान में था भूकंप का केंद्र

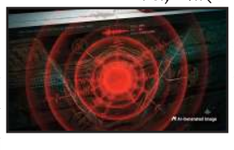

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ठउर) के मुताबिक शनिवार शाम करीब 7 बजकर 4 मिनट पर अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 215 किलोमीटर की गहराई में था। गहराई ज्यादा होने के बावजूद इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए।

दिल्ली-एनसीआर में लोग घरों से बाहर निकले

भूकंप के झटके दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के कई इलाकों में महसूस किए गए। कई लोगों ने बताया कि पंखे, लाइट और घर में रखी दूसरी चीजें हिलने लगीं। इसके बाद लोग बिना देर किए इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ जगहों पर थोड़ी देर के लिए घबराहट का माहौल भी देखने को मिला।

उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस हुआ असर

सिर्फ दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के कई अन्य राज्यों में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। अलग-अलग शहरों से लोगों ने बताया कि उन्हें कुछ सेकंड तक जमीन हिलती हुई महसूस हुई। हालांकि कहीं भी लंबे समय तक कंपन नहीं रहा।

नुकसान की कोई पुष्टि नहीं

देर शाम तक किसी इमारत के गिरने, लोगों के घायल होने या किसी बड़े हादसे की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। स्थानीय प्रशासन और आपदा से जुड़ी एजेंसियां हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं। यदि किसी इलाके से नुकसान की सूचना मिलती है तो उसकी जांच की जाएगी।

भूकंप के समय क्या करें

विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप आने पर घबराने की बजाय शांत रहना जरूरी है। अगर आप किसी इमारत के अंदर हैं तो मजबूत मेज या फर्नीचर के नीचे सुरक्षित जगह लें और लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

सम्पादकीय

आसिम मुनीर की जान को खतरा

जो लोग भी इजरायल और उसकी वुख्यात खुफिया एजेंसी मोसाद से वाकिफ हैं वह जानते हैं कि मोसाद राजनीतिक हत्याएं करवाने में माहिर है। इजरायल के इतिहास में ऐसे दर्जनों केस हैं जहां उसने अपने दुश्मनों के लीडरों को मौत के घाट उतारा है। ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है, 28 फरवरी को जब अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया था तो सबसे पहला काम मोसाद ने यह किया था कि उसने ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई व ईरान टॉप मिलिट्री कमांडरों की हत्या कर दी थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि इजरायल अमेरिका-ईरान के युद्ध विराम से बहुत निराश है और इन एमओयू को तुड़वाने की पूरी कोशिश कर रहा है। मध्य पूर्व में कई देशों में रहस्यमय हमले हो रहे हैं, यह कौन कर रहा है पता नहीं चल रहा है। हैरानी नहीं जब एक ताजा खबर आई कि मोसाद आसिम मुनीर और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की जेनेवा में हत्या का प्लान बना रहा था। समझौता तुड़वाने के लिए ईरानी लीडरशिप की हत्या भी करवा सकता है ताकि यह युद्ध विराम टूट जाए। मेरी भविष्यवाणी इस मायने में सफल हुई, हालांकि थोड़ा फर्क यह रहा कि मोसाद ईरानी लीडरों को तो निशाने पर नहीं ले पाया पर उसने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पर निशाना साधने की कोशिश जरूर की। बता दें कि ब्राजील के एक वरिष्ठ और जाने-माने पत्रकार पेपे एस्कोबार के इस सनसनीखेज दावे ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा कर दिया है। एस्कोबार ने दावा किया कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और स्विट्जरलैंड दौरे पर गए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की हत्या की साजिश रची थी। एस्कोबार ने दावा किया कि यह प्लान तब पेल हो गया जब पाकिस्तान की सेना को बेहद विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी कि इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निर्देश पर मोसाद जनरल आसिम मुनीर और पूरे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को निशाना बनाने की तैयारी कर दी थी। एस्कोबार ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने ओमान के माध्यम से इजराइल को कड़ा संदेश भेजा था कि यदि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल या जनरल आसिम मुनीर को नुकसान पहुंचाया गया तो उसका गंभीर जवाब दिया जाएगा। यह भी याद दिलाया गया कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। इसका मतलब साफ था। इन दावों के सामने आते ही पाकिस्तान ने यह सिरे से खारिज कर दिया। एआरवाई न्यूज के चेयरमैन कामरान खान ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी के हवाले से कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह बकवास और निराधार है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री शाहवाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर का स्विट्जरलैंड दौरा पूरी तरह सुरक्षित और बिना किसी सुरक्षा खतरे के पूरा हुआ। हत्या की साजिश का दावा वास्तविकता से कोई संबंध नहीं रखता और पूरी तरह काल्पनिक है। कटु सत्य तो यह है कि कोई भी एजेंसी ऐसी खबरों की कभी पुष्टि नहीं करता और उन्हें काल्पनिक ही बताता है।

चाय-कॉफी पीते हुए 2 घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से लखनऊ, रेल मंत्री ने यूपी को दी बुलेट ट्रेन की सौगात

यूपी में औद्योगिक क्रांति जेवर बनेगा इलेक्ट्रॉनिक्स हब

गौतम बुद्ध नगर में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास।

जेवर बनेगा देश का प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र।

दिल्ली-लखनऊ बुलेट ट्रेन से यूपी को मिलेगी नई गति।

लखनऊ। गौतम बुद्ध नगर में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के शिलान्यास कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों अश्विनी वैष्णव व भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश व तकनीकी प्रगति को लेकर बड़ा भरोसा जताया। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा विजन दिया कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को जेवर ले आए हैं। इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह गर्व की बात है कि जिन इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद के लिए भारत पहले 40 हजार करोड़ रुपये का आयात करता था, अब उसका निर्माण भारत में ही होगा और जेवर इसका प्रमुख केंद्र बनेगा। सेमीकंडक्टर के बाद अब जेवर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का भी बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कई बड़ी परियोजनाएं स्थापित होंगी, जिससे यूपी देश के प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों में शामिल होगा।

रेल मंत्री ने किया बुलेट ट्रेन का जिक्र

रेल मंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना का जिक्र करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले बजट में बुलेट ट्रेन को स्वीकृति दी है। यह ट्रेन दिल्ली से लखनऊ, वाराणसी, पटना होते हुए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी तक जाएगी। दिल्ली से लखनऊ की दूरी मात्र 2 घंटे 10 मिनट और जेवर से लखनऊ की दूरी केवल 1 घंटे 40 मिनट में तय की जा सकेगी। आप आराम से गाड़ी में चाय-कॉफी पीते और बातचीत करते हुए लखनऊ पहुंच जाएंगे। प्रधानमंत्री जी का सपना पूरे ट्रांसपोर्ट नेटवर्क का कायाकल्प करना है। बेहतर कनेक्टिविटी से प्रदेश में औद्योगिक विकास को और गति मिलेगी।

विकसित भारत के संकल्प में सर्वाधिक योगदान वाला प्रदेश बनेगा यूपी

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी इस भूमि पूजन समारोह को सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बनाती, बल्कि यह उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने का प्रमाण है। कुछ सालों पहले तक उत्तर प्रदेश अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन आज प्रदेश औद्योगिक विकास, तकनीकी प्रगति और निवेश आकर्षित करने के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया के लिए एक विश्वसनीय, व सक्षम मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर बनकर उभरा है और उत्तर प्रदेश इस विश्वास का प्रमुख केंद्र बना है। मोदी जी के विजन और योगी जी के सक्षम नेतृत्व में राजनीतिक स्थिरता, पारदर्शी नीतियों, कुशल युवा शक्ति और मजबूत बुनियादी ढांचे ने उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक सप्लाई चेन का स्वाभाविक केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर किया

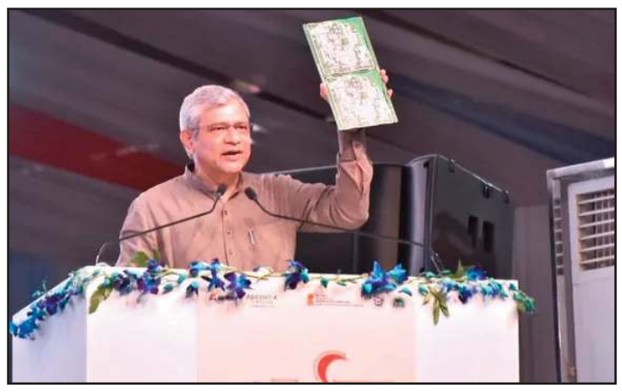

है। उन्होंने विश्वास जताया कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छूते हुए विकसित भारत के संकल्प में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य बनेगा।

उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सराहा

इस अवसर पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने यूपी को देश के सबसे भरोसेमंद औद्योगिक निवेश केंद्रों में से एक बताया। अंबर इंटरप्राइजेज के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं सीईओ जसबीर सिंह ने कहा कि यह केवल भूमि पूजन नहीं, बल्कि भारत की अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रॉनिक्स व मैन्युफैक्चरिंग की मजबूत नींव रखने का ऐतिहासिक अवसर है। यह पहल पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह नया यूपी है, यहां रविवार को भी काम करती है सरकार

जसबीर सिंह ने सीएम योगी, यूपी सरकार व यीडा का आभार प्रकट कहते हुए एक अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि जब लखनऊ में मुख्यमंत्री कार्यालय में शाम 7 बजे उन्हें भूखंड आवंटन पत्र दिए गए, तब उनके साथ आए कोरियाई प्रतिनिधि ने पूछा कि क्या उत्तर प्रदेश में रविवार को भी सरकार काम करती है। जब मैंने यह बात मुख्यमंत्री से साझा की तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था कि यह नया उत्तर प्रदेश है। यह दिन नहीं देखता, केवल आगे बढ़ने और प्रगति करने के लिए काम करता है।

मुख्यमंत्री को दिया दक्षिण कोरिया आने का निमंत्रण

इस अवसर पर कोरियन सर्किट्स के सीईओ यांग हो चो ने कहा कि यह पहली बार है जब मैं भारतीय भाषा में बोल रहा हूं। उन्होंने केंद्र व यूपी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व और उनकी टीम के अविश्वसनीय सहयोग ने ही इस दिन को संभव बनाया है। इतना अपनापन और स्वागत का अहसास कराने के लिए हम आभारी हैं।

कोरिया सर्किट्स और अंबर के बीच यह साझेदारी बेहद विशेष है, जिसमें दक्षिण कोरिया की उन्नत तकनीक और भारत की मजबूत विनिर्माण क्षमता का संगम देखने को मिलेगा। इस प्लांट में उन्नत एचडीआई पीसीबी का निर्माण किया जाएगा, जिनका उपयोग मोबाइल फोन, आईटी उत्पादों और मेमोरी मॉड्यूल में किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मंत्रियों को दक्षिण कोरिया आने और वहां की मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं का निरीक्षण करने का निमंत्रण भी दिया।

'मोदीजी यह जनादेश आपके लिए भी है, आपकी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बड़ी है', पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की ये बात बेटी ने बताई

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के बारे में काफी कुछ कहा है। उन्होंने पीएम मोदी के बारे में अपने पिता प्रणब मुखर्जी की कही कुछ अहम बातें बताई हैं।

(जीएनएस)।

गुरुग्रामः लेखिका और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक लेख लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी के 2014 में उम्मीदवारी के बारे में अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हवाले से लिखी है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा है कि आज के बदलते भू-राजनीतिक हालातों में पीएम मोदी ने देश को मजबूत और स्थिर नेतृत्व दिया है।

पीएम मोदी के बारे में पिता की बात शेयर की थी: शर्मिष्ठा मुखर्जी

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा-'मैंने एक लेख लिखा था जो कई हिंदी और क्षेत्रीय अखबारों में छपा था। उसमें मैंने 2014 के चुनाव और नरेंद्र मोदी जी के बारे में अपने पिता की एक बात साझा की थी। लोकसभा चुनाव के इतिहास में यह पहली बार था जब किसी नए चेहरे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था।

उन्होंने कहा-वरना, अगर आप कांग्रेस के अंदर भी देखें, तो चुनाव से पहले हमेशा एक धारणा होती है। खासकर अगर चुनाव पिछली सरकार के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लड़ा जा रहा हो- कि वही व्यक्ति अगला प्रधानमंत्री बनेगा। लेकिन इस मामले में, यह एक नया चेहरा था और उन्हें प्रधानमंत्री के तौर पर पेश किया गया था। और ऐसा लगा जैसे लोगों ने सिर्फ इखढ को नहीं, सिर्फ नरेंद्र मोदी जी की

पार्टी को नहीं, बल्कि भारत का नेतृत्व करने के लिए नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर चुना। तो यह एक बहुत ही अनोखी बात थी। यह बात मेरे पिता ने कही थी।

जब प्रणब मुखर्जी बोले-मोदी आपकी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बड़ी है

शमिष्ठा मुखर्जी ने कहा-'और यह भी अभूतपूर्व है कि पहली बार के सांसद नरेंद्र मोदी जी राजनीति में रहे हैं और गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी पहचान बनाई है और अपने आस-पास एक खास छवि बनाई है। लेकिन 2014 उनका पहला लोकसभा चुनाव था। तो भारत के इतिहास में शायद यह अभूतपूर्व है कि पहली बार का सांसद प्रधानमंत्री के तौर पर संसद भवन में प्रवेश कर रहा है। तो यह काफी अनोखा है... इसलिए जब चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी जी उनसे मिलने आए तो मेरे पिता ने उनसे कहा कि यह जनादेश सिर्फ आपकी पार्टी के लिए नहीं है, बल्कि यह आपके लिए भी जनादेश है, इसलिए आपकी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बड़ी है।'

बदलते भू-राजनीतिक हालातों में मोदी स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी और लेखिका शर्मिष्ठा मुखर्जी कहती हैं, '...मोदी एक मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं। जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है, खासकर आज के हालात में जब हम दुनिया भर में भू-राजनीतिक अनिश्चितता देख रहे हैं। इसलिए इस समय भारत के लिए एक मजबूत और स्थिर केंद्र सरकार और मजबूत नेतृत्व का होना बहुत जरूरी है और मुझे लगता है कि श्री मोदी इस बहुत ही अहम मोड़ पर भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं, खासकर विश्व राजनीति को ध्यान में रखते हुए।"

शर्मिष्ठा मुखर्जी बोलीं-मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा-मेरे मन में इस बात की कोई प्रतियोगिता नहीं होनी चाहिए कि किसने क्या किया; कोई भी व्यक्ति या सरकार पूरी तरह से सही नहीं होती। लेकिन हर किसी ने ईमानदारी से कोशिश की और भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। सरकार की आलोचना करना विपक्ष का काम है और यह सही भी है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, सही मूल्यांकन कुछ समय बाद या दूर से ही हो पाता है। इसलिए मैं उस बारे में कुछ नहीं कहना चाहती। लेकिन नरेंद्र मोदी जी के बारे में एक बात जरूर कहना चाहूंगी कि आजाद भारत के सबसे मजबूत प्रधानमंत्रियों में से एक हैं, जो एक मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं।

यूपीए-1 और यूपीए-2 में गठबंधन की राजनीति

शर्मिष्ठा मुखर्जी बोलीं-'UPA 1 और UPA 2 के दौरान हमने देखा है कि गठबंधन की राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। समस्या यह है कि गठबंधन के सहयोगी दल लगातार सरकार को किसी न किसी तरह से धमकाते रहते हैं। और आप कोई कड़े नीतिगत कदम नहीं उठा पाते। इसलिए मोदी एक मजबूत और स्थिर सरकार देने में कामयाब रहे हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है, खासकर आज के हालात में जब हम दुनिया भर में भू-राजनीतिक अनिश्चितता देख रहे हैं। इसलिए इस समय भारत के लिए एक मजबूत और स्थिर केंद्र सरकार और मजबूत नेतृत्व का होना बहुत जरूरी है और मुझे लगता है कि मोदी इस बहुत ही अहम मोड़ पर भारत का नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हैं, खासकर विश्व राजनीति को ध्यान में रखते हुए।'

जोफ्रा आर्चर ने विकेट के जश्न से बनाई दूरी, गेंदबाज से नाराजगी के चलते दिखाया गुस्सा, स्टोक्स ने लगाई क्लास

(जीएनएस)।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के अंतिम और बेहद महत्वपूर्ण मुकाबले के दूसरे दिन क्रिकेट फैंस को एक अप्रत्याशित नजारा देखने को मिला। खेल के दौरान इंग्लिश टीम के खिलाड़ियों के बीच उपजा आपसी मनमुटाव और गुस्सा लाइव कैमरों के सामने पूरी तरह उजागर हो गया, जिसने ड्रेसिंग रूम के माहौल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह पूरा वाकया उस समय शुरू हुआ जब न्यूजीलैंड की पहली पारी आगे बढ़ रही थी और कप्तान ने गेंद जोफ्रा आर्चर को सौंपी थी। आर्चर की एक बेहतरीन और गति से चकमा देती गेंद पर कीवी बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल ने एक बेहद कमजोर शॉट खेला, लेकिन वहां फील्डिंग कर रहे युवा स्पिनर शोएब बशीर ने एक बेहद आसान सा कैच टपका दिया।

बशीर ने झटके लगातार दो बड़े विकेट, पर आर्चर का गुस्सा नहीं हुआ कम

अपनी गेंद पर इतना आसान विकेट गंवाने के बाद तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने मैदान पर ही बशीर को घूरना शुरू कर दिया। इसके बाद अगला ओवर डालने आए शोएब बशीर ने शानदार वापसी करते हुए पहले नाथन स्मिथ और फिर उसी ओवर में सेट बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल को भी चलता कर दिया।

एक ही ओवर में दो विकेट गिरने के बाद पूरी इंग्लिश टीम मैदान के बीच में जश्न मनाने के लिए एक-दूसरे के ऊपर कूदने लगी। लेकिन बशीर की उस पुरानी गलती से बुरी तरह आहत और नाराज चल रहे जोफ्रा आर्चर इस टीम सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने बिल्कुल नहीं आए और वे सीमा रेखा के पास अकेले खड़े होकर अपना गुस्सा जाहिर करते रहे।

बेन स्टोक्स ने बनाया आर्चर पर दबाव

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने तुरंत बीच मैदान से बेहद कड़े लहजे में उंगली का इशारा करते हुए आर्चर को डांटा और उन्हें जबरदस्ती खिलाड़ियों के उस ग्रुप के पास आने के लिए मजबूर किया जहां बशीर खड़े थे।

कप्तान के भारी दबाव के बाद जोफ्रा आर्चर बशीर के करीब तो आ गए, लेकिन उनके चेहरे पर साफ तौर पर बेरुखी और नाराजगी देखी जा सकती थी। जब बशीर ने खेल भावना दिखाते हुए आर्चर की तरफ हाथ बढ़ाया, तो इस तेज गेंदबाज ने मुंह फेरते हुए सरेआम हाथ मिलाने से पूरी तरह इनकार कर दिया, हालांकि बशीर ने जबरन उन्हें हाई-फाइव दिया। इससे मामला शांत हो गया।

रकुल प्रीत से शादी के बाद मैरेज को कहा 'सिचुएशनशिप', अब डेटिंग ऐप पर दिखे जैकी भगनानी? इंटरनेट हैरान!

(जीएनएस)।

एक्टर और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी किसी फिल्म या बयान से जुड़ी नहीं, बल्कि एक कथित डेटिंग ऐप प्रोफाइल है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक्सक्लूसिव डेटिंग ऐप 'राया' से जुड़े कुछ पुराने स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहे हैं।

इन तस्वीरों में जैकी के नाम से एक प्रोफाइल दिखाई दे रही है, जिसके बाद इंटरनेट पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि इन स्क्रीनशॉट की सच्चाई की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच कई लोग प्रोफाइल में दिखाई दे रही एक बड़ी गलती की ओर भी ध्यान दिला रहे हैं। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब कुछ महीने पहले जैकी अपने 'सिचुएशनशिप' वाले बयान को लेकर भी सुर्खियों में रहे थे।

रेडिट पर वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट

वायरल हो रहे स्क्रीनशॉट सबसे पहले एक यूट्यूबर के वीडियो में सामने आए थे। इनमें 'Jackky' नाम की एक प्रोफाइल दिखाई देती है, जिसके बायो में Actor/Peoducer लिखा गया है। खास बात यह है कि Producer शब्द की स्पेलिंग गलत लिखी हुई नजर आती है। प्रोफाइल में लोकेशन लंदन, यूनाइटेड किंगडम बताई गई है।

यूजर्स ने उठाए कई सवाल

स्क्रीनशॉट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने इसे देखकर हैरानी जताई, जबकि कई यूजर्स ने बायो में मौजूद स्पेलिंग की गलती को आधार बनाकर प्रोफाइल की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह प्रोफाइल वास्तव में जैकी भगनानी की है या किसी और ने बनाई थी। यह भी जानकारी सामने नहीं आई है कि यह अकाउंट अभी एक्टिव है या नहीं।

क्या है राया ऐप?

राया एक प्राइवेट और एक्सक्लूसिव मेंबरशिप वाला प्लेटफॉर्म है, जो सामान्य डेटिंग ऐप्स से अलग माना जाता है। यहां सिर्फ डेटिंग ही नहीं, बल्कि नेटवर्किंग और नए लोगों से जुड़ने की सुविधा भी मिलती है। इस ऐप का इस्तेमाल करने के लिए पहले आवेदन करना पड़ता है। इसके बाद हर आवेदन की जांच की जाती है और मंजूरी मिलने पर ही

सदस्यता दी जाती है। यही वजह है कि यह ऐप सेलेब्रिटीज, इन्फ्लुएंसर्स और हाई-प्रोफाइल लोगों के बीच काफी लोकप्रिय माना जाता है।

'सिचुएशनशिप' वाले बयान पर मचा था विवाद

यह पूरा मामला उस बयान के बाद फिर चर्चा में आया है, जो जैकी भगनानी ने अप्रैल में एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान दिया था। शादीशुदा जीवन पर बात करते हुए उन्होंने कहा था कि उनकी और रकुल प्रीत सिंह की शादी हो चुकी है, लेकिन वे एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि दोनों एक-दूसरे के प्रति पूरी तरह कमिटेड हैं और किसी भी विषय पर खुलकर बात कर सकते हैं।

पत्नी रकुल प्रीत सिंह ने दी थी सफाई

जैकी के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ गई थी। इसके बाद रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि एक घंटे की बातचीत में कही गई सिर्फ एक लाइन को अलग संदर्भ में पेश कर दिया गया। उनके मुताबिक किसी भी बयान को समझने के लिए पूरा संदर्भ देखना जरूरी होता है और सिर्फ क्लिकबेट बनाने के लिए बातों को तोड़-मरोड़कर पेश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि अब समय आ गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनी हेडलाइन और नैरेटिव को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी दिखाएं।

लॉकडाउन में शुरू हुई थी दोनों की लव स्टोरी

जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह के रिश्ते की शुरूआत कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने साल 2024 में गोवा में शादी की थी। तब से दोनों अक्सर अपने निजी जीवन और सार्वजनिक बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं।

सुनील शेट्टी बोले- प्रधानमंत्री मोदी में कुछ तो मैजिकल है

(जीएनएस)।

सुनील शेट्टी ने कहा कि "मैंने हमेशा कहा है कि मैं उनका (पीएम मोदी) बहुत बड़ा फैन हूं। मैं किसी पार्टी की बात नहीं कर रहा हूं, मैं एक लीडर की बात कर रहा हूं।"

सुनील शेट्टी ने कहा कि वह पीएम मोदी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए अपनी 15 महीने की नातिन से जुड़ा दिल छू लेने वाला

किस्सा साझा किया। उन्होंने कहा, ह्वमैंने हमेशा कहा है कि मैं उनका (पीएम मोदी) बहुत बड़ा फैन हूं। मैं किसी पार्टी की बात नहीं कर रहा हूं, मैं एक लीडर की बात कर रहा हूं।

अभिनेता ने टाइम्स नाउ के साथ बातचीत में कहा, ह्वआप मानोगे नहीं, मेरी 15 महीने की नातिन की नैनी ने एयरपोर्ट के बाहर एक तस्वीर दिखाकर उसे बताया कि ये मोदी जी हैं। आज हर रोज वह सुबह आती है, साईं बाबा की किताब में मोदी जी की एक बड़ी सी फोटो है। वह उसे खोलकर मोदी जी, मोदी जी बोलती है। गणपति जी के पास से एक लड्डू लेकर आती है और उन्हें खिलाती है ह्व

'ये करने को मैंने उससे नहीं बोला'

अपनी बात को जारी रखते हुए उन्होंने आगे कहा, ह्वये करने को मैंने उससे नहीं बोला। न ही उसकी मां और नैनी ने बोला है। बस उसे मोदी जी की फोटो दिखाई थी। अब कुछ तो होगा ना, कोई तो बात होगी उनमें। वो अकेली बच्ची नहीं है। हमने उससे कुछ नहीं कहा है। ये कुछ तो मैजिकल है ना ह्व सोशल मीडिया पर इंटरव्यू का ये क्लिप तेजी से वायरल हो रहा है।

गौरव खन्ना की जिंदगी में आया भूचाल, पत्नी आकांक्षा चमोला ने 'लॉक अप 2' में किया तलाक का ऐलान, बिग बॉस बनी वजह?

(जीएनएस)।

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' की शुरूआत के साथ ही दर्शकों को कई बड़े खुलासे देखने को मिल रहे हैं। शो के प्रीमियर एपिसोड में टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि वह और उनके पति, टीवी एक्टर गौरव खन्ना, अब तलाक लेने जा रहे हैं।

आकांक्षा ने यह भी बताया कि दोनों पिछले एक साल से अलग-अलग रह रहे हैं। अब तक इस बात को उन्होंने सार्वजनिक नहीं किया था, लेकिन शो के दौरान उन्होंने पहली

बार खुलकर अपनी शादी और रिश्ते के बारे में बात की। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी चर्चा शुरू हो गई है और फैंस इस खबर पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

शो के होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख से बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा कि वह और गौरव खन्ना अब तलाक की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं, लेकिन अब तक इस बात को किसी के सामने नहीं रखा गया था।

उन्होंने इसे अपना सबसे बड़ा सीक्रेट बताते हुए पहली बार कैमरे पर साझा किया।

आकांक्षा ने साफ किया कि यह फैसला किसी झगड़े या मनमुटाव की वजह से नहीं लिया गया। उनके मुताबिक, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि आज भी दोनों के बीच बातचीत होती है और रिश्ते में किसी तरह की कड़वाहट नहीं है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

कंट्रोल रूम, वीवीआईपी दर्शन और मंदिर मैनेजमेंट... राम मंदिर में अर्जुन का था अलग रसूख, 17 साल से नहीं हुआ ट्रांसफर

(जीएनएस)।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एसआईटी जांच में CCTV और वायरलेस सिस्टम की जिम्मेदारी संभालने वाले अर्जुन देव की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं. रिपोर्ट में काउंटिंग रूम की निगरानी, ट्रस्ट के कामकाज में दखल और उनकी लंबी तैनाती का भी जिक्र किया गया है.

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में एक खुलासा हुआ है. इस पूरे कांड की जांच कर रही रक्ळ ने अपनी रिपोर्ट में सीसीटीवी कंट्रोल रूम की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. चोरी के इस मामले में अब पुलिस के वायरलेस डिपार्टमेंट के अधिकारी अर्जुन देव भी सीधे जांच के घेरे में आ गए हैं. दरअसल, जिस कमरे में नोटों की गिनती होती थी, वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखने की मुख्य जिम्मेदारी इन्हीं के पास थी. इस खुलासे के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गई है.

जांच में यह साफ हुआ है कि अर्जुन देव अपनी मूल जिम्मेदारी संभालने के बजाय ट्रस्ट के बाकी कामों में जरूरत से ज्यादा एक्टिव रहते थे. मंदिर परिसर के भीतर वीवीआईपी लोगों को दर्शन कराने से लेकर पूरे मैनेजमेंट तक में उनका सीधा दखल था. राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव की तरह ही अर्जुन देव की इस भूमिका ने अब जांच टीम के कान खड़े कर दिए हैं. SIT रिपोर्ट के मुताबिक, इतनी बड़ी सुरक्षा चूक के पीछे इन लोगों की लापरवाही एक बड़ी वजह रही.

इस मामले का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह है कि अर्जुन देव साल 2009 से, यानी पिछले 17 सालों से अयोध्या में ही तैनात हैं. इस लंबे समय के दौरान कई बार उनका ट्रांसफर ऑर्डर जारी हुआ, लेकिन हर बार वे इसे रुकवाने में कामयाब रहे. हाल ही में लखनऊ से जारी हुआ उनका ट्रांसफर भी इसी वजह से रद्द हो गया था.

जांच में सामने आया है कि चंपत राय सहित ट्रस्ट के कई पदाधिकारियों से अर्जुन देव के बेहद करीबी रिश्ते हैं. इसी ऊंची पहुंच और जान-पहचान के चलते उनका ट्रांसफर बार-बार रुक जाता था. अब रक्ळ ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर सख्त आपत्ति जताई है कि सुरक्षा से जुड़े अहम पदों पर बैठे लोगों का जरूरत से ज्यादा दखल ही इस बड़ी चोरी की मुख्य वजह बना है.

फिलहाल रिपोर्ट में कई सवाल उठाए गए हैं. अब आगे की कार्रवाई जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के फैसले पर निर्भर करेगी.

लखनऊ अग्निकांडः एलडीए के पूर्व वीसी निकले दोषी, 100 से ज्यादा अधिकारियों-इंजीनियरों की सूची तैयार; पढ़ें रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ, अलीगंज अग्निकांड की जांच में एक पूर्व उपाध्यक्ष समेत कई अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जा रही है। जांच दल ने विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी है। वर्ष 2016 से 2026 तक संबंधित रहे अधिकारियों और अभियंताओं की भूमिका की जांच जारी है। आगे प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि अलीगंज अग्निकांड मामले में एलडीए के एक पूर्व वीसी भी जिम्मेदार ठहराए गए हैं। इस आईएएस अधिकारी के खिलाफ भी रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाएगी। मामले में अभी तक छह वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी अरविंद त्रिपाठी, वीवी मिश्रा, अरुण सिंह, संजय पांडेय, शिरीश वर्मा और डीके सिंह दोषी ठहराए जा चुके हैं।

एलडीए ने इनके खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेज दी है। ये अधिकारी अलग-अलग समय पर एलडीए में अहम जिम्मेदारियों पर रहे हैं। एलडीए की रिपोर्ट अभी तक नियुक्ति विभाग को नहीं मिली है। इन अफसरों पर कार्रवाई का अधिकार नियुक्ति विभाग को ही है।

अलीगंज अग्निकांड मामले में एलडीए के 100 से अधिक अधिकारियों और इंजीनियरों पर

शिकंजा कसने वाला है। अभी तक 18 इंजीनियरों और छह पीसीएस अफसरों की ही सूची शासन और एसआईटी को प्राधिकरण ने जांच और कार्रवाई के लिए भेजी थी।

जिन अफसरों और इंजीनियरों की सूची बनाई जा रही है, उनमें वर्ष 2016 से 2026 तक तैनात रहे अफसर व इंजीनियर शामिल हैं। यह सूची शासन और एसआईटी की सख्ती के बाद लंबी हुई है। संपत्ति, मानचित्र और विहित प्राधिकारी के कार्य से जुड़े अफसरों को एसआईटी ने शनिवार को बयान के लिए तलब भी किया है।

एसआईटी के बुलाने पर एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार और एक अपर सचिव शनिवार को शासन गए थे। उनसे अवैध निर्माण को लेकर हुई लापरवाही की जानकारी ली गई। यह भी पूछा कि आगे ऐसे हादसे न हों, इसके लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। संपत्ति के आवंटन, मानचित्र और अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के आदेश को वापस लिए जाने वाली फाइलें एलडीए ने सौंप दी है।

अब 100 से अधिक उन इंजीनियरों व अधिकारियों की रिपोर्ट भी भेजी जाएगी, जो अलीगंज इलाके में संपत्ति, मानचित्र, प्रवर्तन और विहित प्राधिकारी के कार्य से जुड़े रहे हैं। मामले में वीसी प्रथमेश कुमार से पुष्टि करने का प्रयास किया गया, पर उनसे बात नहीं हो सकी।

इधर गुस्सा भी भड़क रहा

वर्ष 2016 से लेकर अब तक अलीगंज क्षेत्र में तैनात रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आरोपी बनाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद अफसरों व इंजीनियरों में गुस्सा भड़क रहा है। इनका कहना है कि निर्माण करवाने के दोषियों पर कार्रवाई की जाए। सभी पर कार्रवाई की तलवार लटकाना न्याय नहीं है। सूची में उसका भी नाम शामिल किया जा रहा है, जो दो महीने भी तैनात रहा।

'साधु-संत सजा भुगत रहे, कोई दान नहीं दे रहा', रामदास बाल योगी बोले- चढ़ावा चोरी का असर पूरी अयोध्या पर

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना का असर पूरे अयोध्या तीर्थ क्षेत्र पर हुआ है। अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चोरी करने वालों को प्रशासन सजा दे या नहीं उनको भगवान राम सजा जरूर देंगे।

(जीएनएस)।

अयोध्याः राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना से यहां के साधु-संत नाराज हैं। उनका कहना है कि इस घटना से उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। अयोध्या के संत रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चढ़ावे की चोरी का असर पूरी अयोध्या पर है। राम मंदिर ही नहीं, अयोध्या के बाकी के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है और दान में भी कमी आई है।

सजा पूरी अयोध्या भुगत रही

अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा कि, 'श्रद्धालु नाराज हैं, श्रद्धालुओं में कमी आई है, चढ़ोत्तरी में भी कमी आई है और पूरे क्षेत्र में इसका असर है। राम मंदिर में कोई आता था तो हम लोगों के मंदिर में भी आता था। हम तो मां सरयू के तट पर हैं, तो तमाम श्रद्धालु शाम को आरती में आते हैं। अब लेकिन कमी आई है। जब चोरी करेंगे तो कैसे आपको दान मिलेगा? पूरी अयोध्या सजा भुगत रही है। और देखिएगा, भगवान राम इन चोरों को कभी माफ नहीं करेंगे। जिन्होंने चोरी की है उनको सजा प्रशासन से जो मिलनी होगी मिलेगी। या हो सकता है उन्हें बचाया जाए, लेकिन भगवान राम इनको नहीं बचाएंगे।'

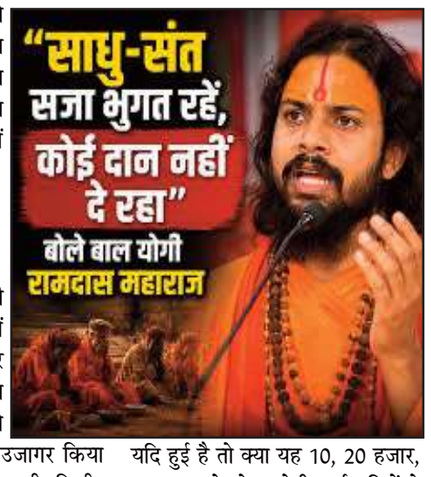

चंपत राय ने चोरी की बात स्वीकर नहीं की थी

रामदास बाल योगी महाराज ने राम मंदिर में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कि, 'अखिलेश यादव ने जब इस मामले को सोशल मीडिया पर उजागर किया तो सबको इसकी जानकारी मिली। उसके तत्काल बाद चंपत राय जी ने कहा कि गिनती सही है, यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, भ्रम फैलाया जा रहा है। वे इसको स्वीकार करने से इनकार रहे थे।'

मंदिर का श्रेय लिया, चोरी की जिम्मेदारी कौन लेगा?

उन्होंने कहा कि, 'राम मंदिर जब बन रहा था तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और सभी पदाधिकारियों ने बीजेपी के कार्यकताओं और आरएसएस के लोगों के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर प्रचार किया। मंदिर बना और उसका श्रेय भी उन्होंने लिया, तो आज चोरी की जिम्मेदारी कोई और लेगा? चोरी यदि हुई है तो क्या यह 10, 20 हजार, 50 हजार के वेतनभोगी कर्मचारियों ने की है? इनकी इतनी हैसियत है?'

हजारों करोड़ की चपत लगाई गई

उन्होंने कहा कि, 'इसके पूर्व में भी जमीनों के घोटाले तगड़े हुए। एक करोड़ की जमीनें 25-25 करोड़ में खरीदी गईं। उस समय भी यह लोग नहीं चेते। बताइए, रावण तो किशोरी जी को ले गया था, वह उस समय की बात थी। इन लोगों ने तो राम जी के साथ ऐसा किया, कि उनकी चरण पादुका, हार, नगद, 200 किलो चांदी... ऐसा जानकारी में है, और जो जानकारी में नहीं है.. इन लोगों ने न जाने कितने हजार करोड़ की चपत लगाई है। छोटी मछलियों को जेल भेज दिया गया, बड़ी मछलियों को सीधे बाहर कर दिया गया।'

चोरी की बात पहले भी बताई गई थी

रामदास बाल योगी ने कहा कि, 'यह ट्रस्ट है, कोई चोरी होती है,कोई दिक्कत होती है, तो हमारी भी जिम्मेदारी है। ऐसा कैसे हो सकता है? सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, सुरक्षा चाक-चौबंद है। इसके बीच चोरियां लगातार होती रहीं। इसके बारे में अनिल मिश्रा को पूर्व में बताया भी गया था। वहां जो पूर्व में इंजीनियर रहे हैं उन्होंने बताया कि 40-40 परसेंट कमीशन देना पड़ा। बताया गया कि गड्डियों में हेराफेरी होती थी।'

रामदास बाल योगी ने कहा कि, 'असलियत अखिलेश यादव ने उजागर की। असली राम भक्त तो वही हैं। इस पर आज भी सरकारी संत, गनर वाले संत बोलने को तैयार नहीं हैं। इतनी बड़ी घटना होने के बाद और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की ही रोटी खाते हैं, हम संत हैं। हम लोगों को राम और अयोध्या के नाम पर दान मिलता है और हमारे ठाकुर जी के मंदिर में ही चोरी हो रही है?'

लखनऊ में एक लाख के इनामी का एनकाउंटर... यूपी STF की गोली से हुआ ढेर, प्रॉपर्टी डीलर की हत्या में था आरोपी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने एक लाख रुपए के इनामी बदमाश संजय उर्फ संजीव को मुठभेड़ में मार गिराया. पुलिस के मुताबिक, वह मई 2026 में पीजीआई इलाके में दिनदहाड़े हुए प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह हत्याकांड का मुख्य शूटर था. आरोपी पर कई जिलों में हत्या समेत गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे.

यूपी के लखनऊ में एसटीएफ और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश संजय उर्फ संजीव के बीच मुठभेड़ हो गई. पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ इंदिरा कैनाल रोड पर उस समय हुई, जब एसटीएफ की टीम आरोपी की तलाश में वहां पहुंची थी. एसटीएफ का दावा है कि इस दौरान मुठभेड़ हो गई, जिसमें संजय को गोली लगी. इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पुलिस के मुताबिक, संजय उर्फ संजीव अंबेडकरनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के चक कोदार

गांव का रहने वाला था. उस पर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था. 27 मई को लखनऊ के पीजीआई इलाके में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की हत्या हुई थी. इस हत्याकांड के बाद से संजय फरार चल रहा था. उसकी तलाश के लिए कई टीमें लगाई गई थीं.

करीब एक महीने से यूपी पुलिस उसकी तलाश कर रही थी. एसटीएफ के अनुसार, शुक्रवार को इंदिरा कैनाल रोड पर आरोपी की मौजूदगी की सूचना मिली थी. इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की. पुलिस का कहना है कि इसी दौरान मुठभेड़ हो गई, जिसमें संजय को गोली लगी. घायल हालत में उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पुलिस का यह भी कहना है कि संजय का नाम अंबेडकरनगर, अयोध्या और बस्ती समेत कई जिलों में हत्या और अन्य संगीन अपराधों में सामने आ चुका था. जांच के मुताबिक, वह कुख्यात अपराधी दिलीप वर्मा और खान मुबारक गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर कई जघन्य वारदातों को अंजाम दे चुका था. फिलहाल पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका क्या थी और वे किन-किन आपराधिक मामलों में वांछित हैं.

अयोध्या हनुमानगढ़ी से जुड़े महांत संतरामदास पंचतत्व में विलीन, सरयू तट पर दी गई मुखाग्नि

हनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के महांत संतरामदास का 87 वर्ष की आयु में अयोध्या में साकेतवास हो गया। उन्हें सरयू तट पर अग्नि संस्कार दिया गया,

(जीएनएस)।

अयोध्या। बजरंगबली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के महांत संतरामदास का पूर्वाह्न साकेतवास हो गया। वह 87 वर्ष के थे। गत कुछ माह से बीमार महांत का लखनऊ में इलाज चल रहा था। वैष्णव आस्था के अनुरूप अंतिम श्वांस अयोध्या में ही निकले, इसी भावना को ध्यान में रख कर वह दो दिन पूर्व ही अत्यंत आग्रहपूर्वक अयोध्या लौटे थे।

उनके साकेतवास की सूचना संत समाज और उनसे जुड़े विशाल परिकर को शोकाकुल करने वाली रही। संत परंपरा के अनुरूप उन्हें रथ में प्रतिष्ठित कर हनुमानगढ़ी से सरयू तट तक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

यद्यपि उन्हें संत परंपरा के अनुसार सरयू में जल समाधि देने की बजाय व्यक्तिगत इच्छा को ध्यान में रख कर उनका अग्नि संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार उनके तीनों प्रमुख शिष्य नंदरामदास, उमारामदास एवं राजूदास ने सामूहिक रूप से किया।

अंतिम प्रणाम करने वालों में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, निवार्णी अनी के पूर्व प्रधानमंत्री महांत माधवदास, हनुमानगढ़ी के सरपंच महांत रामकुमारदास, लक्ष्मणकिलाधीश महांत मैथिलीरमणशरण, शीर्ष कथाव्यास एवं हनुमन्निवास के महांत आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण, हनुमानगढ़ी से जुड़े महांत रामकरनदास मौजूद रहे।

इसके अलावा, हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी रमेशदास, मिथिलामणिमंडप के महांत अंजनीशरण, हनुमतसदन के महांत अवधकिशोरशरण, पूर्व महापौर रिषिकेश उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, भाजपा नेता अवधेश पांडेय बादल, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र आदि रहे।

सत्यनिष्ठा एवं बेबाकी के लिए जाने जाते रहे

बिहार प्रांत के भोजपुर जिलांतर्गत ग्राम डुमरी में पैदा हुए संतरामदास ने तरुणाई में ही साधु जीवन अंगीकार किया। उन्हें हनुमानगढ़ी में अति प्रभावी महांत सरयूदास से दीक्षित होने का अवसर मिला और वह जल्दी उनके कृपापात्र एवं उत्तराधिकारी के रूप में उभरे।

1986 में वह हनुमानगढ़ी की चार प्रतिष्ठापूर्ण पट्टी में से एक के महांत भी बनाए गए। गो-साधु सेवी संतरामदास अपनी सत्यनिष्ठा एवं बेबाकी के भी लिए जाने जाते रहे। उनके प्रशंसकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल थे और अपनी यात्रा के दौरान उनसे भेंट करना नहीं भूलते थे।

लखनऊ : मोहर्रम के जुलूस में सबील बांटने के दौरान गिरा छज्जा, दो बच्चों की मौत और आठ घायल

लखनऊ के इटौंजा में मोहर्रम के जुलूस के दौरान सबील बांटते समय एक मकान का छज्जा गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मोहर्रम के जुलूस के दौरान शुक्रवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। सबील लगाकर जुलूस में शामिल लोगों को खाने का सामान बांटने के दौरान मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे दबने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे में गंभीर रूप से घायल चार लोगों को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। एसीपी बीकेटी विकास पांडेय ने बताया कि इटौंजा के महोना में रात करीब 9:45 बजे मोहर्रम का जुलूस गुजर रहा था। इसी दौरान मुश्ताक अपने घर के बाहर टेंट लगाकर सबील चला रहे थे।

अचानक भरभराकर गिरा छज्जा

जुलूस में शामिल लोग वहां रुककर ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य सामग्री ग्रहण कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग मकान के सामने और छज्जे के नीचे एकत्र थे, जबकि कुछ लोग छज्जे के ऊपर खड़े होकर सामग्री वितरण कर रहे थे। इसी दौरान अचानक छज्जा भरभराकर नीचे गिर पड़ा।

मलबे में दबने से 12 वर्षीय अरमान और 12 वर्षीय अली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मो. हमजा, रुशदा, जियाउल, मन्ना, सना, अजमल, मो. हसीब और जियांग घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से रामसागर मिश्र सौ शैय्या अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने अरमान और अली को मृत घोषित कर दिया। डाक्टरों ने सना, अजमल, मो. हसीब और जियांग की हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

लखनऊ : लौलई बिजली उपकेंद्र पर उपभोक्ताओं का हंगामा, प्रदर्शन-तोड़फोड़; जान बचाकर भागे कर्मचारी

कांशीराम योजना के निवासियों ने बिजली कटौती से नाराज होकर लखनऊ के लौलई बिजली उपकेंद्र में तोड़फोड़ और प्रदर्शन किया, जिससे कर्मचारी जान बचाकर भागे।

(जीएनएस)।

लखनऊ। बिजली न आने से नाराज कांशीराम योजना के निवासियों ने गोमतीनगर लौलई बिजली उपकेंद्र पर पहुंचकर तोड़फोड की और प्रदर्शन किया। कर्मचारियों से हाथापाई करने का प्रयास किया, इसके कारण तीन से चार कर्मचारी अपनी बाइक उपकेंद्र पर ही छोड़कर भाग गए और एक कर्मचारी जो भाग नहीं पाया उसने उपकेंद्र के अंदर छिपकर जान बचाई।

कर्मचारी ने उपकेंद्र का चैनल भीतर से बंद करके 112 नंबर पर पुलिस को फोन किया। लोगों ने पांच दो पहिया वाहनों की पेट्रोल टंकी व हेडलाइट डंडों से तोड़ दी। यही नहीं विंडो एसी को तोड़कर फेंक दिया और उसके डक्ट से पत्थर चलाकर जेई के कमरे में रखे कंप्यूटर की स्क्रीन और कुर्सियां तोड़ दी। शुक्रवार रात सवा दस बजे बिजली जाने के चालीस मिनट बाद ही पत्थर चलाते हुए बिजली उपकेंद्र पहुंच गए।

उपभोक्ताओं का आरोप था कि लौलई बिजली उपकेंद्र पर बिजली संकट आए दिन रहता है। शिकायतों के बाद भी स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। उपकेंद्र के बाहर रखे दर्जनों गमले उठा-उठाकर फेंकने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाने का प्रयास किया लेकिन उपभोक्ता नहीं माने। फिर चिनहट थाने पहुंची अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से उपभोक्ताओं को नियंत्रित किया गया।

अज्ञात उपभोक्ताओं के खिलाफ दी तहरीर

वहीं, बिजली विभाग के अभियंताओं ने चिनहट थाने में सौ से अधिक अज्ञात उपभोक्ताओं के खिलाफ तोड़फोड़ व सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने की तहरीर दी है। चिनहट इंस्पेक्टर डीसी मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिली है, कार्रवाई की जा रही है।

अधिशासी अभियंता धीरज यादव ने बताया कि कांशीराम कालोनी में ताजिया निकलने के कारण शुक्रवार दोपहर दो से ढाई घंटे बिजली एहतियातन काटनी पड़ी थी। फिर रात में एरियल बंच केबल जल गया। मौके पर टीम भेजकर इसे ठीक कराया जा

रहा था। तभी कांशीराम कालोनी के ब्लाक संख्या 69/15, 71/4, 73/02 व 73/01 व न्यू कांशीराम कालोनी के उपभोक्ता, जो बिजली संकट का सामना कर रहे थे, उपकेंद्र पहुंच गए।

क्षेत्र में देर रात पौने दो बजे बिजली आपूर्ति सामान्य कर ली गई। वहीं अमीनाबाद के गुलमर्ग क्षेत्र में सुबह छह बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक बिजली की आवाजाही बनी रही। अधिशासी अभियंता धर्मेन्द्र सक्सेना ने बताया कि एबी केबल व डीबी बाक्स में आग लगने के कारण यह समस्या आई थी, जिसे ठीक कर लिया गया है।

वहीं रायबरेली रोड स्थित अंबेडकर विश्वविद्यालय बिजली उपकेंद्र से संबंधित पुष्पेंद्र नगर के दुगार्पुरी में 16 घंटे बिजली संकट रहा। यहां हाई वोल्टेज के कारण कई उपभोक्ताओं के विद्युत उपकरण फुंक गए। उपभोक्ताओं के मुताबिक शुक्रवार रात 12 बजे से शनिवार शाम पांच बजे बिजली आ सकी। यहां उपभोक्ताओं को बिजली व पानी दोनों संकट का सामना करना पड़ा।

उधर हाई वोल्टेज से पंखे, इन्वर्टर, बल्ब फुंक गए। कुछ घरेलू उपकरण में आग भी लग गई। वहीं जगतखेड़ा में शनिवार सुबह एबी केबल धमाके से टूट कर गिर गई। यहां शिकायत के बाद कर्मचारी शाम चार बजे पहुंचे, तब जाकर मरम्मत का काम शुरू हो सका।

चरण भट्टा रोड पर ट्रांसफार्मर की लीड में लगी आग

अंबेडकर विश्वविद्यालय उपकेंद्र के अंतर्गत इंद्रापुरी चरण भट्टा रोड पर शुक्रवार रात ट्रांसफार्मर के आसपास लगी लीड में आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग को बुझाया गया। यहां रात साढ़े बारह बजे से रात तीन बजे तक बिजली संकट रहा। वहीं उतरेटिया में शुक्रवार रात 10 बजे गई बिजली शनिवार सुबह चार बजे आई। यहां भी एबी केबल जल गई थी।

क्षेत्र में बिजली सुबह नौ बजे फिर चली गई और शाम चार बजे सामान्य हो सकी। वहीं मीरा विहार, मधुबन विहार में बिजली की आवाजाही लगी रही। कुछ यही हाल बलदेव विहार, सरस्वतीपुरम, गांधीनगर, नीलमथा के सैनिक नगर, मलाख में भी बिजली की

लखनऊः अवैध निर्माण पर नकेल कसने के लिए एलडीए भर्ती करेगा 50 जूनियर इंजीनियर, आउटसोर्सिंग से होगी तैनाती

(जीएनएस)।

लखनऊः LDA शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करने के लिए मैन पावर बढ़ाएगा. इसके लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से 50 जूनियर इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी. जिन्हें प्रवर्तन के सातों जोन में आवश्यकता अनुसार तैनात किया जाएगा.

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक करके इस सम्बंध में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये हैं.

बढ़ती आबादी के बीच निगरानी की चुनौतीः उपाध्यक्ष ने बताया कि लखनऊ में तेजी से हो रहे विकास कार्यों से शहर और आबादी का दायरा बढ़ रहा है. ऐसे में निर्माण कार्यों की निगरानी और अवैध निमार्णों पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने के लिए प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है. इसके लिए समस्त प्रवर्तन जोन में पर्याप्त तकनीकी मानव संसाधन उपलब्ध कराना आवश्यक है. उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए अतिरिक्त जूनियर इंजीनियरों की तैनाती की जाएगी.

आउटसोर्सिंग से होगी इंजीनियरों की भर्तीः इससे प्रत्येक प्रवर्तन जोन में निरीक्षण, निगरानी और कार्रवाई की गति बढ़ेगी. उपाध्यक्ष ने कहा कि यह भर्ती आउटसोर्सिंग के माध्यम से की जाएगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भर्ती से सम्बंधित प्रस्ताव सभी औपचारिकताओं के साथ शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए. जिससे कि आवश्यक स्वीकृति प्रदान करते हुए भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके.

सीलिंग और ध्वस्तीकरण में आएगी तेजीः उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा कि मैन पावर बढ़ने से अवैध निर्माण को समय रहते रोका जा सकेगा. अतिरिक्त जूनियर इंजीनियरों की तैनाती से सातों प्रवर्तन जोनों की कार्यक्षमता में सुधार होगा. इससे अवैध निमार्णों की समय पर पहचान, नियमित निरीक्षण, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण जैसी प्रवर्तन कार्रवाइयों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा.

लखनऊ : केजीएमयू में अगले माह से हृदय प्रत्यारोपण की तैयारी, हार्ट फेलियर वाले मरीजों के लिए बड़ी राहत

(जीएनएस)।

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) प्रदेश में सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं के तहत एक और महत्वपूर्ण सुविधा शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जुलाई से हृदय प्रत्यारोपण (हार्ट ट्रांसप्लांट) सेवा शुरू करने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है।

इसके लिए लारी कार्डियोलाजी में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एडवांस आइसीयू भी तैयार हो चुका है, जिससे गंभीर हृदय रोगियों को पहले से कहीं अधिक बेहतर और त्वरित उपचार मिल सकेगा। वर्तमान में एसजीपीजीआइ एकमात्र सरकारी चिकित्सा संस्थान है, जहां इसी साल अप्रैल में एक महिला का सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया था। यह प्रदेश में पहली बार हृदय प्रत्यारोपण है।

केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद के मुताबिक, हृदय प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक चिकित्सा ढांचा, प्रशिक्षित विशेषज्ञों की टीम, आपरेशन थिएटर, आइसीयू तथा अन्य तकनीकी व्यवस्थाएं तैयार हैं। संस्थान का कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जरी (सीवीटीएस) विभाग प्रत्यारोपण प्रक्रिया का संचालन करेगा। उपयुक्त डोनर हार्ट उपलब्ध होने के बाद प्रत्यारोपण शुरू किया जाएगा।

विभाग में दो आधुनिक मानिटरिंग सिस्टम, वेंटिलेटर, आपरेशन यूनिट समेत विश्वस्तरीय उपकरण लगाए गए हैं। प्रदेश के अधिकांश गंभीर हृदय रोगियों को अब तक हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद या किसी कारपोरेट चिकित्सा संस्थानों का रुख करना पड़ता था, लेकिन

केजीएमयू में भी यह सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों को अपने ही राज्य में यह जटिल इलाज मिल सकेगा।

केजीएमयू में हृदय प्रत्यारोपण के लिए कार्डियक सर्जन, कार्डियोलाजिस्ट, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ, क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ, ट्रांसप्लांट कोआर्डिनेटर, नर्सिंग स्टाफ तथा पैरामेडिकल कर्मियों की विशेष टीम को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

10 प्रतिशत रोगियों को हृदय प्रत्यारोपण की जरूरत

लारी कार्डियोलाजी के विभागाध्यक्ष प्रो. ऋषि सेठी ने बताया कि दिल के प्रत्येक 10वें मरीज पर दवा और सर्जरी बेअसर है। ऐसे मरीजों के लिए प्रत्यारोपण ही आखिरी विकल्प है। करीब 500 में से सिर्फ एक रोगी का हार्ट ट्रांसप्लांट होता है। ऐसे में एसजीपीजीआइ के बाद हमारे यहां ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू होने से सूबे के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। दरअसल, ओपीडी में आने वाले लगभग 10 प्रतिशत रोगियों का दिल खराब हो चुका होता है।

इन्हें ट्रांसप्लांट की सलाह दी जाती है, लेकिन इसकी सुविधा और अंगदान को लेकर उदासीनता की वजह से यह संभव नहीं हो पाता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से ब्रेनडेड मरीजों के अंगदान में वृद्धि हुई है। निश्चित तौर पर यह प्रदेश के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। लारी कार्डियोलाजी में प्रो. गौरव चौधरी का कहना है कि हार्ट फेल्योर के 70 प्रतिशत से अधिक मरीजों में इस्केमिक हृदय रोग, जिसे कोरोनरी धमनी की बीमारी भी कहते हैं।

इसमें मृत्युदर अधिक और बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। भारत में हृदय प्रत्यारोपण दर प्रति दस लाख पर केवल 0.2 है। यह वैश्विक औसत 1.06 से कम है। 65 प्रतिशत से अधिक हृदय प्रत्यारोपण दक्षिणी राज्यों में होते हैं। ऐसे में अपने प्रदेश के के मरीजों को इन राज्यों की यात्रा करनी पड़ती है। इससे देरी, आर्थिक बोझ व मृत्युदर बढ़ता है।

निजी अस्पतालों में करोड़ों का खर्च

प्रो. ऋषि सेठी के मुताबिक, कारपोरेट अस्पतालों में हृदय प्रत्यारोपण का खर्च सरकारी की तुलना में पांच गुणा अधिक है। यह 35 लाख से एक करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। यही नहीं, प्रत्यारोपण के बाद प्रतिमाह करीब 50 हजार रुपये दवाओं पर खर्च होता है।

केजीएमयू में हार्ट ट्रांसप्लांट पर करीब आठ से 10 लाख रुपये तक खर्च का अनुमान है। हालांकि, सरकारी योजनाओं के तहत भी इलाज हो सकता है। ऐसे में मरीजों पर आर्थिक बोझ बहुत कम पड़ता है।

लखनऊ डिफेंस कोचिंग में तीसरी मंजिल से गिरकर छात्र की संदिग्ध मौत, पिता ने प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप

16 वर्षीय छात्र रोहित शर्मा की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत।

पिता ने कोचिंग प्रबंधन की लापरवाही पर निष्पक्ष जांच की मांग की।

पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है।

(जीएनएस)।

लखनऊ। बंथरा स्थित एक आवासीय डिफेंस कोचिंग संस्थान में पढ़ रहे 16 वर्षीय छात्र की शुक्रवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। मामले को लेकर मृतक छात्र के पिता ने कोचिंग प्रबंधन की लापरवाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

हाथरस निवासी हरीश शर्मा का बेटा रोहित शर्मा बंथरा स्थित टारगेट डिफेंस एकेडमी में रहकर एनडीए और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह संस्थान के छात्रावास में रहता था।

शुक्रवार रात वह अचानक ऊंचाई से नीचे गिर गया। घटना की जानकारी होने पर संस्थान के लोग उसे कृष्णानगर स्थित अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर बंथरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक बंथरा राणा राजेश सिंह ने बताया कि छात्र के गिरने की सूचना कृष्णानगर पुलिस के माध्यम से मिली थी। पुलिस टीम ने कोचिंग परिसर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है। स्टाफ और छात्रों से पूछताछ की गई है। जांच के बाद ही घटना के सही कारणों का पता चल सकेगा।

मृतक के पिता हरीश शर्मा कासगंज के विकास भवन में सहायक लेखा अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि रोहित का एक जुलाई को जन्मदिन था और वह दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाने को लेकर काफी उत्साहित था। दो दिन पहले उसने दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए पैसे भी मांगे थे, जिस पर उन्होंने उसे आनलाइन 500 रुपये भेजे थे।

पिता ने सीसी फुटेज, मोबाइल काल डिटेल और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि उनका बेटा देश की सेवा करने का सपना लेकर डिफेंस की तैयारी कर रहा था और वह आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकता।

पुलिस का कहना है कि फिलहाल परिवार की ओर से किसी पर सीधे आरोप लगाते हुए तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही छात्र की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

तीसरी मंजिल पर कैसे पहुंचा बेटी?

पिता का आरोप है कि उनका बेटा पहली मंजिल पर बने कमरे में रहता था, ऐसे में वह ऊपरी मंजिल पर क्यों गया, यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि जिस मंजिल से गिरने की बात सामने आ रही है, वहां निर्माण कार्य चल रहा था और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे।

रोहित का मोबाइल फोन उसके कमरे में मिला, जबकि उसकी चप्पल भी घटनास्थल पर नहीं मिली। परिवारजन का यह भी आरोप है कि गिरने के बाद रोहित कुछ समय तक जमीन पर पड़ा रहा और सबसे पहले उसके साथी छात्र मौके पर पहुंचे। बाद में प्रबंधन को सूचना दी गई।

दिल्ली और लखनऊ अग्निकांड के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून बनाने की उठी मांग, सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। देश के कई शहरों में आए दिन आग लगने की भयावह घटनाएं और उनमें अपनों को खोने का दर्द अब महज एक खबर बनकर नहीं रह सकता।

हाल ही में दिल्ली के मालवीय नगर और लखनऊ के अलीगंज में हुए दर्दनाक अग्निकांडों ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। इस बेबसी को सुरक्षा की ताकत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी द्वारा दायर इस याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार देश भर के ज्यादा जोखिम वाले सार्वजनिक परिसरों के लिए एक सख्त 'राष्ट्रीय अग्नि और जीवन सुरक्षा ढांचा' तैयार करे।

इसमें कहा गया है कि जिंदगी बचाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून बेहद जरूरी है, सिर्फ शोक जताना, एफआइआर दर्ज करना या जांच कमेटियां बनाना ही पर्याप्त नहीं।

आर्टिकल 21 का हवालाः 'सुरक्षा चाहिए, सांत्वना नहीं'

याचिकाकर्ता ने बेहद भावुक और कड़े शब्दों में कहा कि न्यायिक और प्रशासनिक चेतावनियों के बाद भी बार-बार होने वाले ये हादसे साबित करते हैं कि सिर्फ एफआइआर दर्ज करना या जांच कमेटियां बनाना काफी नहीं है।

'संविधान का अनुच्छेद 21 हमें जीवन जीने का अधिकार देता है और यह अधिकार हादसों के बाद सिर्फ शोक या सांत्वना व्यक्त करने का नहीं, बल्कि हादसों को रोकने की मांग करता है।'

याचिका में केंद्र और राज्यों से मिलकर एक निश्चित समय सीमा के भीतर न्यूनतम सुरक्षा और जवाबदेही तय करने का आग्रह किया गया है। साथ ही, तीन से चार महीने के भीतर स्कूलों, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, होटलों और मॉल्स का एक विशेष सुरक्षा ऑडिट कराने की मांग की गई है।

अवैध बेसमेंट व छतों पर लगे रोक याचिका में मासूम बच्चों और छात्रों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई गई है। कोर्ट से मांग की गई है कि बिना वैध अनुमति और सुरक्षा मानकों के किसी भी कोचिंग सेंटर, स्कूल, हॉस्टल या लाइब्रेरी को तंग सीढ़ियों, सिंगल एग्जिट, अवैध छतों या बेसमेंट में चलाने पर पूरी तरह रोक लगाई जाए।

इसके अलावा, सुरक्षा की अनदेखी करने वाले और रिश्वत लेकर सर्टिफिकेट देने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

याचिका में हालिया दिल्ली-लखनऊ हादसों के रिकार्ड सुरक्षित रखने और एक राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति के गठन की भी गुहार लगाई गई है, ताकि हर नागरिक अपनी जिंदगी को सुरक्षित महसूस कर सके।

लखनऊ : बेहता नदी पर बनाया प्राइवेट पुल, धारा से खिलवाड़ का आरोप, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

मलिहाबाद में बेहता नदी पर एक निजी कारोबारी ने अवैध पुल बनाया है, जिससे नदी की धारा बाधित हो रही है और मानसून में जलभराव का गंभीर खतरा है। ग

मलिहाबाद में बेहता नदी पर निजी कारोबारी ने अवैध पुल बनाया।

बिना अनुमति बने पुल से नदी की धारा बाधित, जलभराव का खतरा।

ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग।

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। मलिहाबाद क्षेत्र के तिरगंवा और भटपुरवा गांवों के बीच बहने वाली ऐतिहासिक बेहता नदी पर एक निजी कारोबारी ने पक्का पुल बना दिया। ऐसा कर नदी की धारा से खिलवाड़ किया गया है। पुल निर्माण को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका आरोप है कि पोल्ट्री फार्म संचालक ने अपने निजी आवागमन और व्यावसायिक सुविधा के लिए ऐसा किया है।

ग्रामीणों के अनुसार पुल का निर्माण न केवल बिना एनओसी और विभागीय अनुमति के कराया गया है, बल्कि इसकी ऊंचाई भी बेहद कम और चौड़ाई संकरी रखी गई है। उनका कहना है कि मानसून के दौरान भारी बारिश होने पर यह पुल नदी के प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा बनेगा। इससे पानी का बहाव रुककर तिरगंवा, भटपुरवा और आसपास के गांवों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

क्या जताई जा रही आशंका?

आशंका जताई कि यदि समय रहते इस अवैध निर्माण को नहीं हटाया गया तो खेत, बाग और रिहायशी इलाके जलमग्न हो सकते हैं। इससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान होने के साथ जन-धन की हानि की भी संभावना है। आक्रोशित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारियों से मामले की तत्काल जांच कर अवैध पुल को हटाने तथा दोषी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

उधर, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता मुकेश कुमार का कहना है कि इसकी जांच कराई जाएगी कि कैसे पुल बना दिया गया। कारण यह है कि जब गोमती नदी में पानी कम होता है तो नहर का पानी बेहता नदी के माध्यम से ही भेजा जाता है।

लखनऊ में युवक ने सरेराह सेल्सगर्ल के पेट में मारा चाकू, पुलिस ने दर्ज किया केस

विकास ने गाड़ी से उतरते ही शालिनी के पेट पर चाकू मार दिया। विरोध करते हुए पीड़ित ने शोर मचाने का प्रयास किया।

एसओ अजीत कुमार ने बताया आरोपितों की तलाश की जा रही है।

एसओ अजीत कुमार ने बताया आरोपितों की तलाश की जा रही है।

कई दिन से कर रहा था पीछा, भाई के दो साथियों की मदद से रास्ते में था रोका

आरडीएसओ आफिसर्स क्लब के पास की घटना, मानकनगर थाना क्षेत्र का मामला

(जीएनएस)।

लखनऊ। मानकनगर में आरडीएसओ आफिसर्स क्लब के पास शुक्रवार रात सेल्सगर्ल को सिरफिरे ने भाई व दो साथियों की मदद से रास्ते में रोककर पेट में चाकू मार दिया। चीख-पुकार मचाने पर आरोपित ने उसकी गर्दन पर चाकू रख दिया। बीच-बचाव करने आए एक राहगीर पर भी आरोपित ने चाकू से वार किया। युवती हल्की चोटिल हो गई और प्राथमिक उपचार के बाद उसको घर भेज दिया गया।

लोगों की भीड़ जुटती देख आरोपित भाई व साथियों संग भाग निकला। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मानकनगर पुलिस ने दो नामजद व दो अज्ञात की तलाश कर रही है। हरदोई निवासी शालिनी पति से अलगाव के चलते मानकनगर के मेहंदीखेड़ा में मायके में रहती है और साड़ी की दुकान पर काम करती है।

एसओ अजीत कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे दुकान बंद होने के बाद शालिनी पैदल घर जा रही थी। जैसे ही वह आरडीएसओ आफिसर्स क्लब के पास पहुंची। तभी मोहल्ले में रहने वाला विकास यादव, उसका भाई शिवा यादव व दो अन्य लोग वहां आ गए। विकास ने गाड़ी से उतरते ही शालिनी के पेट पर चाकू मार दिया। विरोध करते हुए पीड़ित ने शोर मचाने का प्रयास किया।

इस पर आरोपी ने चाकू उसकी गर्दन पर रखकर जान से मारने की धमकी दी।

आरोपित ने राहगीर पर भी किया चाकू से वार

यह देख वहां राहगीर रुक गए और पुलिस को सूचना देने के साथ ही मोबाइल पर वीडियो बनाने लगे। चश्मदीदों ने बताया कि आरोपित चिल्ला रहा था कि तुमने धोखा दिया है। अगर उसकी नहीं हो सकती तो किसी की होने नहीं दूंगा। इसी दौरान एक राहगीर ने हिम्मत दिखाई। घायल युवती को बचाने के लिए आरोपित से भिड़ गया।

खुद को घिरता देख आरोपित ने

बर्थडे से 3 दिन पहले लखनऊ में छात्र की मौत:कोचिंग के हॉस्टल की 5वीं मंजिल से गिरा; पिता बोले- सेना में जाना चाहता था

(जीएनएस)।

लखनऊ में NDA की तैयारी कर रहे एक छात्र की हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। हॉस्टल डिफेंस कोचिंग परिसर में ही बना है। मौत की सूचना पाकर उसके पिता हाथरस से लखनऊ पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे की जान कोचिंग संचालकों की लापरवाही से गई।

बेटा पहली मंजिल पर रहता था। वह 5वीं मंजिल पर कैसे गया? बेटा काफी देर तक तड़पता पड़ा रहा लेकिन कोई नहीं पहुंचा। मृतक छात्र रोहित शर्मा (16) हाथरस के मुल्तान गेट के रहने वाले हरीश शर्मा का बड़ा बेटा था। परिवार में पिता के अलावा मां लीना, भाई हर्ष और बहन हर्षिता हैं।

पिता हरीश, कासगंज में विकास भवन में सहायक लेखा अधिकारी पद पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि बेटे का 1 जुलाई को जन्मदिन आता। वह दोस्तों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए खुश भी था। घटना बंथरा थाना क्षेत्र स्थित टारगेट डिफेंस एकेडमी आवासीय कोचिंग की शुक्रवार रात की है।

हॉस्टल बड़े परिसर में बना है। यहां टारगेट डिफेंस एकेडमी नाम की कोचिंग भी चलती है। छात्र के पिता ने पांचवीं और पुलिस ने तीसरी मंजिल से गिरकर मौत की बात कही है।

हॉस्टल बड़े परिसर में बना है। यहां टारगेट डिफेंस एकेडमी नाम की कोचिंग भी चलती है। छात्र के पिता ने पांचवीं और पुलिस ने तीसरी मंजिल से गिरकर मौत की बात कही है।

टारगेट डिफेंस एकेडमी नाम से डिफेंस की कोचिंग चलती है। बताया जाता है कि पहले यहां एयरफोर्स की तैयारी भी कराई जाती थी।

टारगेट डिफेंस एकेडमी नाम से डिफेंस की कोचिंग चलती है। बताया जाता है कि पहले यहां एयरफोर्स की तैयारी भी कराई जाती थी।

पिता ने जो बताया-

दोस्तों के साथ बर्थडे मनाने के लिए मांगे थे पैसे

मृतक के पिता हरीश शर्मा ने बताया- शुक्रवार रात 10:15 बजे बेटे के दोस्तों ने फोन पर बताया कि रोहित छत से गिर गया है। उसे हम लोग अस्पताल लेकर जा रहे हैं। कुछ देर बाद बताया कि अस्पताल में उसकी मौत हो गई है। हमारे बेटे का 1 जुलाई को जन्मदिन था।

रोहित ने 2 दिन पहले अपने दोस्तों के साथ बर्थडे मनाने का प्लान बताते हुए कुछ पैसे मांगे थे। तब मैंने उसे 500 रुपए ऑनलाइन भेज दिए थे। उसे यह कहकर बहलाया था कि बर्थडे से पहले कुछ और रुपए भेज दूंगा। हमें नहीं पता था कि वह बर्थडे मनाने से पहले संसार में नहीं रहेगा।

लखनऊ : मोबाइल न मिलने पर 13 साल की गुस्साई छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। रहमतनगर गांव में शुक्रवार रात मोबाइल देखने को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद कक्षा नौ की छात्रा ने फंदे से लटककर जान दे दी। छानबीन में मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

रहमतनगर निवासी मोहम्मद शोएब की 13 वर्षीय बड़ी बेटी रानी कक्षा नौ की छात्रा थी। शुक्रवार रात करीब दस बजे शोएब अपनी दादी के आपरेशन के सिलसिले में पत्नी रीना और चार वर्षीय बेटी फरहीन के साथ उनके घर गए थे। घर पर रानी और उसका छोटा भाई दाऊद थे।

इसी दौरान दोनों भाई-बहन के बीच मोबाइल देखने को लेकर विवाद शुरू हो गया। दाऊद ने जब रानी से मोबाइल छीन लिया तो वह गुस्से में आ गई। रानी ने कमरे से निकलकर दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और हाल में जाकर दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

यह देख भाई दाऊद ने शोर मचाया और किसी तरह परिवारजन को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिवारजन ने उसे फंदे से उतारा। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की है। परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाया है।